नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भ्रष्ट तंत्र की देन हैं ये हादसे

दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत का ढहना महज एक दुर्घटना नहीं है. यह उस भ्रष्ट और लापरवाह व्यवस्था का भयावह परिणाम है, जो हादसा होने के बाद जागती है और कुछ दिनों के शोर के बाद फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है. एक पुरानी इमारत में छात्र हॉस्टल चलता रहा, उसमें बड़ी संख्या में युवा रहते रहे और जिम्मेदार सरकारी एजेंसियां आंखें मूंदे बैठी रहीं. नतीजा सामने है. कई जिंदगियां मलबे में दफन हो गईं और कई परिवारों के सपने हमेशा के लिए उजड़ गए.

सत्य निकेतन जैसे इलाकों में अवैध निर्माण और नियमों की अनदेखी कोई नई बात नहीं है. छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुराने मकानों को मनमाने ढंग से हॉस्टल और पीजी में बदला जाता है. भवन की संरचनात्मक क्षमता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और निर्माण नियमों की परवाह किए बिना अधिक से अधिक लोगों को एक ही इमारत में ठूंस दिया जाता है. कई बार अतिरिक्त निर्माण के लिए बेसमेंट तक में खुदाई कर दी जाती है. लालच में की गई ऐसी खुदाई आसपास की इमारतों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती है.

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बिना सरकारी संरक्षण के कैसे चलती रहती हैं. भवन मालिक तो नियम तोड़ता है, लेकिन नियम लागू कराने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों की है, उनकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए. किसी इमारत का अवैध निर्माण एक दिन में नहीं होता. वह वर्षों में तैयार होता है. इसके लिए नक्शा पास करने से लेकर निर्माण की निगरानी, निरीक्षण, नोटिस और कार्रवाई तक कई स्तर होते हैं. यदि इन सभी स्तरों पर चूक हुई है तो केवल वर्तमान अधिकारियों पर कार्रवाई करके मामला खत्म नहीं किया जा सकता. सरकार को इस हादसे की जांच का दायरा तत्काल व्यापक करना चाहिए. वर्तमान अधिकारियों के साथ उन पूर्व अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए, जिनके कार्यकाल में अवैध निर्माण हुआ, जिनके रहते नियमों का उल्लंघन होता रहा और जिन्होंने शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं की. यदि कहीं भ्रष्टाचार, मिलीभगत या जानबूझकर आंखें मूंदने के प्रमाण मिलते हैं तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ भी कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए. सरकारी पद किसी को जवाबदेही से बचने का कवच नहीं बन सकता.

अब समय केवल मुआवजा देने और जांच समिति बनाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था को जवाबदेह बनाने का है. देशभर के छात्रावासों, पीजी और विशेष रूप से पुराने भवनों का अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए. इसके लिए एक डिजिटल निगरानी तंत्र बनाया जा सकता है, जिसमें भवन की उम्र, स्वीकृत नक्शा, उपयोग, क्षमता, अग्नि सुरक्षा और संरचनात्मक स्थिति का पूरा रिकॉर्ड हो. एआई और डिजिटल मैपिंग की मदद से स्वीकृत निर्माण और वास्तविक निर्माण के बीच अंतर का पता लगाना भी संभव है.

छात्र केवल किसी परिवार के बच्चे नहीं हैं, वे देश का भविष्य हैं. उनकी सुरक्षा को बाजार और भ्रष्ट तंत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता. सत्य निकेतन का हादसा यदि फिर एक आंकड़ा बनकर रह गया तो अगली त्रासदी के लिए जिम्मेदार व्यवस्था आज से ही तैयार होगी. इसलिए दोषी मालिकों के साथ भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों पर भी शीघ्र, निष्पक्ष और कठोरतम कार्रवाई जरूरी है. यही मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और भविष्य के छात्रों के प्रति सरकार की वास्तविक जिम्मेदारी होगी.

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. वी. अनंतनागेश्वरन

> राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है. इसका सबूत 2 सितंबर को मिला. जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई. इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी एकर दिया. भारत को तीन दशकों से अधिक समय से 'ए' रेटिंग नहीं मिली है. एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी,दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया.

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है. बेशक, यह एक उचित सवाल है. इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है. वर्तमान समय से ही शुरुआत करते हैं. इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी. इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था. तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया.

हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई. मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए. जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था. तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते. उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं. ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई. एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई. जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'नॉमिनल जीडीपी' में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई. ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं. जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं. ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं. व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं. इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाताहै.

अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया. वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है. एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े. डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है.

वर्ष 2023-24 के लिए, मंत्रालय ने विकास दर के अनुमान को 9.2 प्रतिशत (पुरानी श्रृंखलाके तहत) से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था. यानी, उन्होंने खुद ही लगभग दो प्रतिशत अंक कम कर दिए. अन्य आरोपों के मामले में भी गणित खिलाफ जाता है. वर्ष 2024-25 में, नई श्रृंखला के तहत नॉमिनल जीडीपी की विकास दरपुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही - 9.8प्रतिशत के मुकाबले 9.4प्रतिशत - जबकि असल विकास बढ़ी. नॉमिनल जीडीपी सरकार के राजकोषीयलक्ष्यों का आधार होती है. सरकार सबसे ज़्यादा इसी आंकड़े को ऊंचा रखना चाहती है. अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता.

वर्ष 2024-25 और 2025-26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5प्रतिशत हो जाती है. यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है. अगर तीन वर्षों- 2023-24 से 2025-26 - को लें, तो नई में औसत ग्रोथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है - 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4प्रतिशत. लेखकगण अपनी बात एक कहावत के साथ खत्म करते हैं. वे लिखते हैं कि जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए. यह सिद्धांत सही है. हमारी बस यही मांग है कि इसे पूरी तरह से लागू किया जाए. पिछले सालों के आंकड़े भी मौजूद हैं- जैसे घरेलू बचत, क्रेडिट में बढ़ोतरी, संसाधनों का प्रवाह, करोंसे होने वाली कमाई और निवेशकों का बढ़ता दायरा. अगर आप कुछ ही संकेतकों को देखें, तो पिछला समय कमजोर लग सकता है. लेकिन अगर आप सभी संकेतकों पर गौर करें, तो ऐसा नहीं लगता. भारत ने एक बड़े झटके का सामना किया और आगे बढ़ता रहा. ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि उसने एक दशक में अपनी क्षमता बढ़ाई थी और वित्तीय मजबूती हासिल की थी. यह एक ठोस नतीजा है, न कि कोई बनावटी बात.

(लेखक केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं)

8 सितम्बर : विश्व फिजियोथेरेपी दिवस

हृदय रोग और स्ट्रोक के पुनर्वास में फिजियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका

डॉ. हर्ष ठाकरे

> इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट्स की मध्य प्रदेश प्रदेश इकाई के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. हर्ष ठाकरे ने बताया कि विश्व फिजियोथेरेपी दिवस का उद्देश्य लोगों को फिजियोथेरेपी के महत्व के साथ-साथ हृदय रोग एवं स्ट्रोक की रोकथाम और पुनर्वास के प्रति जागरूक करना है. उन्होंने कहा कि नियमित शारीरिक गतिविधि, समय पर चिकित्सकीय देखभाल और वैज्ञानिक पुनर्वास बेहतर स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

हर वर्ष 8 सितंबर को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया जाता है. वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम हृदय-वाहिका रोग और स्ट्रोक यानी हृदय रोग एवं स्ट्रोक है. इस वर्ष की थीम के माध्यम से लोगों को हृदय रोग एवं स्ट्रोक की रोकथाम, शारीरिक सक्रियता तथा बीमारी के बाद वैज्ञानिक पुनर्वास के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है. आज की बदलती जीवनशैली में शारीरिक निष्क्रियता, लंबे समय तक बैठे रहना और अन्य स्वास्थ्य जोखिमों के कारण हृदय रोग एवं स्ट्रोक जैसी समस्याएं गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन रही हैं. ऐसे में नियमित शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ जीवनशैली और आवश्यकता पड़ने पर समय पर पुनर्वास का महत्व काफी बढ़ जाता है.

हृदय रोग में भी उपयोगी है फिजियोथेरेपी

फिजियोथेरेपी को सामान्यत: दर्द, चोट या हड्डी-मांसपेशियों की समस्याओं से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसका कार्यक्षेत्र इससे कहीं व्यापक है. कार्डियक रिहैबिलिटेशन में फिजियोथेरेपिस्ट मरीज की चिकित्सकीय स्थिति के अनुसार सुरक्षित एवं क्रमिक शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम के माध्यम से उसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन के साथ तैयार किया गया पुनर्वास कार्यक्रम मरीज को दैनिक गतिविधियों में बेहतर तरीके से वापस आने और अधिक सक्रिय जीवनशैली अपनाने में सहायता कर सकता है.

स्ट्रोक के बाद पुनर्वास जरूरी

स्ट्रोक के बाद कई मरीजों को शरीर के एक हिस्से में कमजोरी, संतुलन की समस्या, चलने में कठिनाई या दैनिक गतिविधियों में परेशानी हो सकती है. ऐसे मामलों में समय पर शुरू किया गया व्यवस्थित पुनर्वास महत्वपूर्ण होता है. फिजियोथेरेपी के माध्यम से मरीज की आवश्यकता के अनुसार मूवमेंट, मांसपेशियों के नियंत्रण, संतुलन, समन्वय, चलने की क्षमता और दैनिक कार्यों पर कार्य किया जाता है. इसका उद्देश्य मरीज की कार्यात्मक क्षमता को बेहतर करना और उसे अधिक से अधिक आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करना होता है. इस पूरी प्रक्रिया में मरीज के परिवार का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहता है.

देशभर में जागरूकता कार्यक्रम

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर आज 8 सितंबर को पूरे देश में विभिन्न जागरूकता एवं जनहित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. फिजियोथेरेपिस्ट, विद्यार्थी, शिक्षण संस्थान और विभिन्न संगठन लोगों को हृदय रोग एवं स्ट्रोक की रोकथाम, नियमित शारीरिक गतिविधि और पुनर्वास के महत्व के प्रति जागरूक कर रहे हैं. इन आयोजनों में स्वास्थ्य शिविर, व्याख्यान, सेमिनार, वर्कशॉप, जागरूकता रैली और शारीरिक गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं. इनका उद्देश्य फिजियोथेरेपी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ लोगों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है.

फिजियोथेरेपी का बढ़ता दायरा

आज फिजियोथेरेपी केवल दर्द कम करने या चोट के उपचार तक सीमित नहीं है. रोकथाम, पुनर्वास, कार्यक्षमता में सुधार और बेहतर जीवन गुणवत्ता के क्षेत्र में इसकी भूमिका लगातार महत्वपूर्ण हो रही है. हृदय रोग और स्ट्रोक के मरीजों के पुनर्वास में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम के साथ मिलकर फिजियोथेरेपिस्ट महत्वपूर्ण योगदान देते हैं.

इसी माह दिल्ली में होगा अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में भारत के लिए सितंबर माह में एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आयोजन होने जा रहा है. विश्व फिजियोथेरेपी एशिया वेस्टर्न पैसिफिक क्षेत्रीय सम्मेलन 2026का आयोजन 26 और 27 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा. इस सम्मेलन में लगभग 70 देशों के फिजियोथेरेपिस्ट, विशेषज्ञ, शिक्षाविद और शोधकर्ता भाग लेंगे. सम्मेलन का आयोजन इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ फिजियोथेरेपिस्ट्स द्वारा किया जा रहा है. सम्मेलन में फिजियोथेरेपी, पुनर्वास, नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक शोध और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ अपने अनुभव एवं विचार साझा करेंगे. यह भारतीय फिजियोथेरेपी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग का महत्वपूर्ण मंच होगा.

हाइड्रोजन ट्रेन की बढ़ जाएगी रफ्तार

75 से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा स्पीड करने की तैयारी

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार ने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को अधिकतम 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने का प्रयास किया जा रहा है और अन्य रेल खंडों पर इसके संचालन की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं. उन्होंने बताया कि फिलहाल ट्रेन की परिचालन गति अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटा है, जबकि 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के लिए इसका परीक्षण किया जा चुका है. हरियाणा के जींद-सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर लंबे मार्ग पर चल रही देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को हरी झंडी दिखाई थी. कुमार ने कहा कि नए रेल खंडों पर हाइड्रोजन ट्रेन चलाने के लिए तकनीकी पहलुओं और हाइड्रोजन ईंधन की उपलब्धता समेत सभी जरूरी व्यवस्थाओं का आकलन किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि हावड़ा-कामाख्या के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन संचालित हो रही है और चार अन्य ट्रेनें तैयार हैं. रेलवे को इस वर्ष 11 और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिलने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि 200 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर बनाई जा रही हैं और इन्हें तैयार होने में करीब डेढ़ साल लग सकता है. कुमार ने बताया कि 2028 के सिंहस्थ के दौरान उज्जैन के लिए 100 से 125 विशेष ट्रेन चलाने की योजना है और इसके लिए रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है. उन्होंने कहा कि रेलगाड़ियों और स्टेशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी के साथ कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल किया जा रहा है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

जरूरी हो गई सरकार की सुरक्षा, पीएम की छात्रों को रात में दीक्षा

पडोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छात्रों की गूंज तथा युवाओं से बढ़ते संवाद को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी छात्रों से सीधा संपर्क करने का प्रयास किया. वह दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में दिन के उजाले की बजाय रात में गए और चुनिंदा छात्रों को संबोधित किया.' हमने कहा, 'क्या पीएम ने शिक्षा, बेरोजगारी, पेपर लीक, छात्रों पर हुए लाठीचार्ज व पैलेट गन दागने के बारे में कुछ कहा ? क्या ज्वलंत सवालों का जवाब दे पाए?'

पड़ोसी ने कहा, 'वहां एबीवीपी के निष्ठावान छात्र जुटाए गए थे, पीएम ने जो कहा, वह श्रोताओं ने शांति से सुन लिया. वह दिन में इसलिए नहीं गए क्योंकि हंगामा और विरोध हो सकता था. अपनी सरकार को सुरक्षित या सेफ रखने के लिए कुछ तो करना ही पड़ता है. दिखाना तो पड़ेगा कि हम भी छात्रों व युवाओं में पैठ रखते हैं.'

हमने कहा, 'सुरक्षा या सेफ्टी की चिंता सिर्फ सरकार को नहीं होती. पुराने जमाने में लोग घर में मजबूत चौखट वाला मोटी लकड़ी का दरवाजा बनवाते थे, जो रात में संकल में

लोहे की सलाख डालकर अंदर से बंद कर दिया जाता था. घर में लाठी या भाला भी रखा जाता था. अब शहरों में रहने वाले धनवान लोग खुद को सेफ रखने के लिए अपने बंगले की ऊंची चारदीवारी बनवाते हैं और वहां छुपकर रहते हैं. गेट पर गार्ड हमेशा तैनात रहता है, जो किसी व्यक्ति को वहां फटकने नहीं देता.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, इस समय सुरक्षा या सेफ्टी नाम की चीज ही नहीं है. शहर में हेवी व तेज रफ्तार ट्रैफिक की वजह से जान हथेली पर रखकर रास्ता पार करना पड़ता है. फुटपाथ पर अतिक्रमण की वजह से सड़क किनारे पैदल चलना भी रिस्की है. मॉर्निंग वॉक मोहल्ले तक ही ठीक है. सड़क पर चलोगे तो पीछे से आने वाली गाड़ी ठोक देगी. बाइक सवार उठाईगीरे महिलाओं का मंगलसूत्र, गले की चेन, मोबाइल या पर्स झपट्टा मारकर रफूचक्कर हो जाते हैं. अच्छा-भला इंसान डॉक्टर के पास जाए तो वह समझाएगा कि आप बिल्कुल सेफ नहीं हैं. एक छोटा-सा मच्छर मलेरिया, डेंगू या चिकनगुनिया का मरीज बना सकता है. डॉक्टर आपको हेपेटाइटिस, टाइफाइड की वैक्सीन लगाने को कहेगा. देश की राजधानी दिल्ली की हवा में भारी प्रदूषण व्याप्त है. वहां घने कोहरे और जहरीले धुएं में सांस लेने वालों के फेफड़े कैसे सुरक्षित रहेंगे? जब घर में घुसे चोर से सैफ अली खान भी सुरक्षित नहीं था तो हम कैसे सेफ रहेंगे!'

शब्द-सागर 12373

- डॉ. सागर खादीवाला

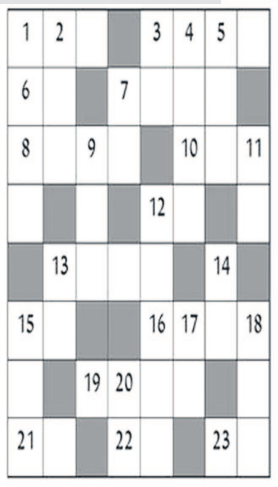

बाएं से दाएं
1. जामाता, दामाद 3. लड़कपन, बचपन 6. बुरी आदत 7. अधीनस्थ कर्मचारी 8. चमकने वाला, चमकदार 10. जंगल, घर (सं.) 12. पहनावा, वस्त्र, वेशविन्यास 13. सीमा 15. अभ्यस्त, जिसे किसी चीज की लत लग गई हो 16. राक्षसी 19. वह ग्रंथ जिसमें राम के चरित्रों का वर्णन हो (सं.) 21. डोरी, सूत आदि को बटकर बनाई हुई रज्जू 22. रक्षा, बचाव (सं.) 23. लंबा तथा नुकीला कांटा (सं.)

ऊपर से नीचे
1. जलजंतु, जल में रहने वाला जीव (सं.) 2. मृतक का शोक 3. कथन, वचन, वार्तालाप 4. झोंका खिलाना, लपकाना, आगे बढ़ाना 5. गिरना, अधोगति, अवनति 7. फूलों का हार, लड़ी 9. बबूल नामक वृक्ष 11. मानचित्र, भवन आदि का रेखा चित्र 12. वेदव्यास का एक नाम (सं.) 13. शताब्दी, सैकड़ा 14. तलवार (सं.) 15. आकृति, स्वरूप, डीलडौल 17. बहुत छोटा टुकड़ा, रवा 18. ऊंट, बैल आदि की नाक में बंधी हुई रस्सी 20. परिमाण, मिकदार, बारहखड़ी लिखते समय वह स्वर-चिन्ह या रेखा जो शब्दों के ऊपर या आगे-पीछे लगाई जाती है

Solution 12372

आ	य	त	न		नि	शा	ना
ल		क	म	ला		इ	ति
सी	ख		न	ख	लि	स्ता	न
	दा	म		ना	प		
अ	न	हि	त		ट	रू	ना
मा			नि		ना		ड़ी
न		ता	क	त		मौ	
त	ब	ला		क	बू	त	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भवन संबंधी विवाद का सामना करना होगा. व्यर्थ के वाद विवाद से मतभेद बढ़ेगा. वर्ष के मध्य में रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी. व्यवसाय में प्रगति होगी. राज्य सम्मान एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी. वर्ष के अन्त में पारिवारिक एवं आर्थिक लाभ प्राप्त होने का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को व्यापार में प्रगति होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख प्राप्त होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को अपने कार्यों को लगन एवं निष्ठा से कार्य करना हितकर रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग एवं सफलता के योग है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील कोमल भावुक परोपकारी तथा बुद्धिमान होगा. आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. अपने उद्देश्यों की पूर्ति करेगा. लगनशील और सत्यवादी होगा. यात्राप्रिय रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

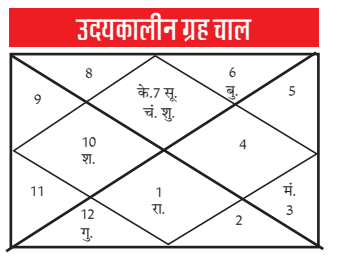

पंचांग

रा.मि. 17 संवत् 2083 भाद्रपद कृष्ण द्वादशी भौमवासरे दिन 1/43, पुष्य नक्षत्रे शाम 4/49, परिघ योगे रात 1/55, तैतिल करणे सू.उ. 5/49, सू.अ. 6/11, चन्द्रचार कर्क, पर्व-भौम प्रदोष व्रत, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण द्वादशी को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, सूरजमुखी, सोना, चांदी, मिर्च, कपास, के भाव में मंदी होगी. जायफल, अजवाईन, धनियां, के भाव में तेजी होगी. वायदा विचार आज 11 बजकर 53 मिनिट से 16 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक- 5634 है.

मेष- आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी. शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. दस्तकारी कार्यों में व्ययभार अधिक होगा.

वृषभ- पारिवारिक कार्यों मे व्यस्तता रहेगीं. आर्थिक मामलों में बुजुर्गो की सलाह उपयोगी रहेगी. संतान के कार्य में विशेष ध्यान देकर कार्य करना लाभकारी रहेगा.

मिथुन- छोटी सी बात पर उत्तेजित होकर अपना कार्य न बिगाड़ें. संबंधों में कड़वाहट आ सकती है. किसी अभिन्न मित्र से भेंटवार्ता होगी. हर्ष रहेगा.

कर्क- आय का नया मार्ग प्रशस्त होगा. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है. पारिवारिक संबंधों में मधुरता रहेगी. संदेश मिलेगा.

सिंह- परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. साझेदारी में कोई भी कार्य न करना आपके लिये हितकर रहेगा. मान सम्मान मिलेगा. सहयोग बना रहेगा.

कन्या- कार्य की अधिकता रहेगी. शरीर में थकान महसूस होगी. संबंधों में मधुरता आयेगी. राजनैतिक सहयोग बना रहेगा. साहस बढ़ेगा.

तुला- जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. व्यर्थ की परेशानी से बचें. दूर दराज की यात्रा हो सकती है. मित्रता लाभदायक एवं सहयोगी रहेगी.

वृश्चिक- नौकरी में उत्तरदायित्व बढ़ेगे. आमदानी के जरिये एक से अधिक होंगें. कार्य की रूपरेखा पर विचार विमर्श हो सकता है. शुभ संदेश मिलेगा.

धनु- कोई ऐसी बात मालुम होगी, जिससे मानसिक प्रसन्नता रहेगी. मित्र के संबंध में प्रिय समाचार मिलेगा. मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

मकर- मान सम्मान बढ़ेगा. उपहार या लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा. उठाईगीरों से सावधानी रखे. परिश्रम अधिक करना पड़ सकती है.

कुम्भ- मैत्री संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिसकी आपको प्रतीक्षा है, उस कार्य में सफलता मिलेगी. धार्मिक यात्रा होगी. व्ययभार की अधिकता रहेगी.

मीन- व्यवसायिक समस्याओं का निदान होगा. खरीदी बिक्री के कार्यों में सावधानी बांछनीय. यश, मान-सम्मान मिलेगा. गुमी वस्तु मिलने से प्रसन्नता होगी.

SUDOKU 7505

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7504

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5